



असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I--खण्ड 1 PART I--Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं ० 62] No. 62] नई दिल्लो, बुधबार, मार्च 25, 1987/चेन्न 4, 1909 NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 25, 1987/CHAITRA 4, 1909

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिजय संत्रालय		1	2	3	4
मा यात व्यापार नियंक्षण		(2)	223		विद्यमान पैरे-22 के पण्चात् निम्न-
नई दिल्ली, 25 मार्च, 1987		(2)	223	417141-0-12	निखिन को जोड़ा जायेगा :
मार्वजनिक सूचना सं. 164-म्राई टीसी (पी	r एन)/85-88				"इस योजना के प्रधीन जारी किये
विषय:—मप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिये	श्रायाम-निर्यात नीति				गये लाइसेंस का मृत्य यदि कोई निर्धारिक निर्यात ग्राभार को
का.सं. 5/215/86-5 पी सी:—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक मूचना सं. 1-प्राई टी मी (पी एन)/85—88, दिनांक 12 प्रेप्रैल, 1985 के प्रस्तर्गत प्रकाशित प्रप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिये यथासंगोधित प्रायात-निर्यात मीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है। 2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निविष्ट उपयुक्त स्थानों पर किये जायेंगे:—					पूरा करने के लिये किये गये निर्यातों हेतु प्रनुमेथ है सो ग्रार ई.पी. हक्षवारी के नामे डाला जायेगा । इस स्कीम वे ग्रधीन प्रस्पेक लाइसेंसधारक इस नीति के परिशिष्ट-17 के
क.सं. भायात-निर्यात नीति संवर्भ संग 1985—88 की खण्ड-1की पृष्ट संख्या					भ्रतुसार यथा भ्रतुमेय यदि कोई उसके निर्यात श्राभार को पूरा करने के बाद शेष मूल्य से लिये हो तो भ्रायान प्रतिपूर्ति
1 2 3	4				ला द सेंसों के लिये <mark>पात्र होगा</mark> ।
	'का चिन्ह और अंक विषे जायेगे।				यास्तविक रूप से किया गया प्रतिबंधित/सीमित प्रानुमेय , सरणी बद्ध म दों (और खुले

.

सामान्य लाइसेंस की मर्वे नहीं) का धायात भकेला ही उसके द्वारा किये गये कुल आयातीं की गणना करने के लिये परिकलित होगा । इसी प्रकार निर्धारित धाभार निर्यातक द्वारा किया पंजीकत गया कोई भी निर्यात हम नीति के परिशिष्ट-17 के प्रधीन ययाम्रम्भेय सम्पर्ण प्रसिपति लाभों के लिये पाल होगा । यवि कोई हो तो पंजीकृत निर्यातक लिये देय ऐसी बाकी **प्रतिरि**क्त प्रतिपूर्ति लाभों के लिये संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी बांड/विधिक करार का विशोचन करते समय प्रतिपृति लाइसेंसों वस्वर लिये पंजीकृत निर्यासक साथ-साथ करेंगे। यह स्पष्ट किया जाता कि भग्नदाय लाइसेंस के महे प्रभावित यदि कोई हो तो फालत् निर्यात किसी भग्नदाय लाइसेंस के महे शामिल नहीं किया जा सकता क्योंकि प्रश्येक प्रवाय लाइसेंस की गणना भ्रलग-भ्रलग की जानी है।"

3. उपर्युषत संशोधन लोकहित में किये गये हैं।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, श्रामान-नियनि

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 25th March, 1987

PUBLIC NOTICE No. 164-ITC(PN)/85-88

Subject: Import & Export Policy for April 1985—March, 1988.

File No. 6/215/S6-EPC.—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC (PN)/85—88 dated the 12th April, 1985 as amended

2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below:—

SI. No.	Page No of Importand Export Policy, 1985-88 (Vol. I)		Amendments
1	2	3	4
(1)	223	Appendix 13 Page 22	The sign and figure ",28" shall be deleted.

(2) 223 Appendix 13

After the existing para 22, the following shall be added:—

"23. The value of licence issued under this Scheme will be debited to the REP entitlement, if any, admissible to exports made in fulfilment of the export obligation prescribed. Every licence holder under this Scheme will be eligible for import replenishment licences as admissible in terms of Appendix 17 of this Policy for the balance value, if any, after fulfilment of his export obligation. Imports of restricted/Llmited permissible/ canalised items actually effected (and not OGL items) will alone be computed for calculating the total imports effected by him. Similarly, and exports effected by the registered exporter in excess of the export obligation prescribed will be eligible for the full replenishment benefits as admissible under Appendix 17 of this Policy. For remaining/additional replenishment benefits if any, due to the registered exporter, the licensing authority concerned, while redeeming the bond/legal

A

agreement, will simultaneously Issue Excess Entitlement Certificates entitling the registered exporter to claim replenishment licences. Such Excess Entitlement Certificates will be valid for a period of three months from the date of its Issue and the registered exporters may prefer application for replenishment licences on the basis of

4

these Excess Entitlement Certificates. It is, clarified that excess exports, if any, effected against an Imprest Licence cannot be adjusted against another imprest licence as accounting of each imprest licence has to be done separately."

3. The above amendments have been made in public interest.

R.L. MISRA,

Chief Controller of Imports & Exports

₹2

.

and the second of the second o

.

•